अडिगि सुखमु

रागम्: मध्यमावति ताळम्: मिश्र चापु

(श्री त्यागराज विरचित)

पल्लवि

अडिगि सुखमु लेव्वरनुभविञ्चिरिरा? आदिमूलमा राम

अनुपल्लवि

सडलनि पाप तिमिर कोटिसूर्य
सार्वभौम सारसाक्ष सद्गुण निन् (अडिगि)

चरणम्

आश्रयिञ्चि वरमडिगिन सीतयडवि बोनाये
आशरहरण रक्कसि यिष्टमडुग अपुडे मूक्कु पोये (ओ राम निन्) ॥ १ ॥

वासिग नारदमौनि वरमडुग वनितरूपुडाये
आसिञ्चि दुर्वासुडन्नमडुग अपुडे मन्दमाय (ओ राम निन्) ॥ २ ॥

सुतिनि वेडुगु जूड देवकि यडुग यशोदा सूडनाये
सतुलेल्ल रतिबिक्षमडुग वारिवारि पतुल विडनाये (ओ राम निन्) ॥ ३ ॥

नीके दयबुट्टि ब्रोतुवो? ब्रोववो? नी गुट्टु बयलाये
साकेत धाम श्री त्यागराजनुत स्वामि एटि माया (ओ राम निन्) ॥ ४ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇